अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 संख्या 17 श्री विजय पुरम, शनिवार, 17 जनवरी 2026 web: dt.andamannicobar.gov.in 2.00 रूपए

अण्डमान तथा निकोबार पुलिस ने 74वां स्थापना दिवस गर्व, सम्मान और उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ मनाया

पुलिस लाइन परेड मैदान में आयोजित "एट होम" समारोह में माननीय उप राज्यपाल ने शिरकत की

श्री विजय पुरम, 16 जनवरी

अण्डमान तथा निकोबार पुलिस का 74वां स्थापना दिवस सात दशकों से अधिक की समर्पित सेवा, पेशेवर दक्षता और जन–सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का स्मरण कराते हुए गरिमामय एवं भव्य रूप से मनाया गया। समारोह का आयोजन पुलिस लाइन परेड मैदान में पूरे उत्साह के साथ किया गया, जिसके उपरांत पुलिस लाइन में "एट होम" कार्यक्रम आयोजित हुआ। "एट होम" कार्यक्रम का आयोजन सौहार्दपूर्ण वातावरण में किया गया, जिससे आपसी सहयोग और समन्वय को बल मिला। कार्यक्रम में माननीय उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एवं उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी एडमिरल डी. के. जोशी, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.) सहित अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। पुलिस महानिदेशक ने अतिथियों का स्वागत करते हुए माननीय उप राज्यपाल, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन तथा सभी सुरक्षा एवं खुफिया एजेंसियों के प्रति मार्गदर्शन, सहयोग और निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत प्रभावशाली परेड से हुई, जिसमें कार्यकारी पुलिस (पुरुष एवं महिला), आईआरबीएन, अग्निशमन सेवा, अण्डमान तथा निकोबार पुलिस ब्रास बैंड तथा लेडीज़ पाइप बैंड की अनुशासित टुकड़ियों ने भाग लिया। परेड का नेतृत्व परेड कमांडर श्री नवीन कुमार, उप कमांडेंट/आईआरबीएन ने किया, जबकि महानिदेशक पुलिस, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह श्री हरगोबिंदर सिंह धालीवाल (आईपीएस) ने सलामी ली। इस अवसर पर पुलिस स्टेशन हम्फ्रीगंज को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन घोषित किया गया तथा 42 पुलिस कर्मियों को उनके उत्कृष्ट समर्पण एवं सेवा के लिए डीजीपी प्रशंसा डिस्क से सम्मानित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए पुलिस महानिदेशक ने द्वीपवासियों एवं अण्डमान तथा निकोबार पुलिस के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कानून–व्यवस्था बनाए रखने, निवासियों एवं पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सामाजिक सौहार्द और न्याय की रक्षा के लिए बल की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने प्रभावी पुलिसिंग के स्तंभ के रूप में पेशेवरिता, पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता पर बल दिया और परेड प्रतिभागियों की अनुशासनप्रियता एवं सटीकता की प्रशंसा की।

स्थापना दिवस के अवसर पर वर्ष 2025 के दौरान विभाग की उल्लेखनीय उपलब्धियों को भी रेखांकित किया गया, जिन्हें राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हुई। पुलिस स्टेशन पहाड़गांव को रायपुर में आयोजित डीजीपी/आईजीपी सम्मेलन में देश का दूसरा सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन घोषित किया गया, जहां यह पुरस्कार माननीय केंद्रीय गृह मंत्री एवं माननीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार द्वारा प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, एनसीआरबी, नई दिल्ली के अनुसार जुलाई, 2025 में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ने सीसीटीएनएस/आईसीजेएस प्रगति डैशबोर्ड पर सभी केंद्रशासित प्रदेशों में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

नशीले पदार्थों के विरुद्ध शून्य सहिष्णुता नीति को दोहराते हुए पुलिस ने सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की। वर्ष 2025 में 67 एनडीपीएस मामले दर्ज़ किए गए और 102 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। बरामदगी में 74 किलोग्राम गांजा, 49 किलोग्राम मेथामफेटामिन, 2 किलोग्राम कोकीन तथा 525 एलप्राजोलम टैबलेट शामिल हैं। एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में, अब तक का सबसे बड़ा ड्रग नष्टिकरण अभियान शुरू किया गया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में लगभग 30,000 करोड़ रुपये मूल्य की 6,000 किलोग्राम से अधिक मेथामफेटामिन शामिल थी। 9 जनवरी, 2026 तक 4,377.460 किलोग्राम का सुरक्षित दहन किया जा चुका है।

साइबर अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में विभाग ने 1,146 मोबाइल हैंडसेट ब्लॉक किए, 747 का पता लगाया और 425 की बरामदगी की, जिससे 56.89 प्रतिशत की रिकवरी दर हासिल हुई, जो देश में सर्वाधिक में से एक है। वर्ष के दौरान 42 साइबर अपराध

शेष पृष्ठ 4 पर

अण्डमान द्वीपसमूह के लिए नया इमिग्रेशन चेकपोस्ट

भारत के श्री विजय पुरम हवाई अड्डे को अधिकृत इमिग्रेशन क्लीयरेंस प्वाइंट घोषित किया गया है। एशिया पैसिफिक सुपरयॉट्स के एक बयान के अनुसार, इस निर्णय से अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की यात्रा करने वाले यॉट्स के लिए सुविधा और अधिक आसान हो जाएगी।

भारत सरकार द्वारा जारी गृह मंत्रालय की अधिसूचना में इस संघ शासित प्रदेश के हवाई अड्डे को वैध यात्रा दस्तावेज़ों के साथ सभी श्रेणी के यात्रियों के लिए भारत में प्रवेश व निर्गमन हेतु "चेक पोस्ट" घोषित किया गया है। एशिया पैसिफिक सुपरयॉट्स द्वारा जारी बयान के अनुसार, श्री विजय पुरम के बंदरगाह और हवाई अड्डे पर शीघ्र ही ई–वीज़ा सुविधा शुरू होने की संभावना है, जिससे विदेशी नागरिक आगमन पर ही वीज़ा प्राप्त कर सकेंगे। **(स्रोत: https://www.the-triton.com/)**

सर्किट कोर्ट 27 जनवरी से

श्री विजय पुरम, 16 जनवरी

पंजीयक से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों माननीय न्यायमूर्ति अरिजीत बनर्जी एवं माननीय न्यायमूर्ति अपूर्वा सिन्हा राय 27 जनवरी से 10 फरवरी (दोनों तिथियां सम्मिलित) तक पोर्ट ब्लेयर में सर्किट कोर्ट का आयोजन करेंगे।

शहीद दिवस पर माननीय सांसद ने गुरुद्वारा डॉ. दीवान सिंह में श्रद्धांजलि अर्पित की

श्री विजय पुरम, 16 जनवरी

स्वतंत्रता सेनानी एवं कवि शहीद डॉ. दीवान सिंह 'कालेपानी' के शहीद दिवस के अवसर पर माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय ने गत 4 जनवरी, 2026 को गुरुद्वारा डॉ. दीवान सिंह, श्री विजय पुरम में श्रद्धांजलि अर्पित की। गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री एस. एस. सालूजा सहित पदाधिकारियों ने सांसद का स्वागत किया। उपाध्यक्ष श्री बी. एस. ग्रेवाल एवं श्री रंजीत सिंह गिल ने स्मृति चिन्ह भेंट किया तथा महासचिव श्री स्विंदर राज सिंह ने पुष्पगुच्छ प्रदान किया।

सांसद कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सभा को संबोधित करते हुए सांसद ने डॉ. दीवान सिंह 'कालेपानी' के जीवन, बलिदान एवं स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान पर प्रकाश डाला और सेल्यूलर जेल में दिए गए उनके सर्वोच्च बलिदान को स्मरण किया। उन्होंने ऐसे महान देशभक्तों से प्रेरणा लेने तथा मानवता की सेवा में गुरुद्वारे की भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम का समापन गुरबानी कीर्तन, कड़ा प्रसाद एवं लंगर वितरण के साथ हुआ। गुरुद्वारा प्रबंधन समिति ने सांसद के प्रति आभार व्यक्त किया।

द्वीप समुद्री खाद्य महोत्सव–2026 का भव्य समापन

श्री विजय पुरम, 16 जनवरी

समुद्र के समृद्ध स्वाद, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का उत्सव द्वीप समुद्री खाद्य महोत्सव–2026 आज यहां मरीना पार्क स्ट्रेच रोड पर संपन्न हुआ। इस महोत्सव का आयोजन मत्स्य विभाग द्वारा सूचना, प्रचार एवं पर्यटन विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सहयोग से तथा राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी), हैदराबाद के वित्तीय समर्थन से किया गया। आयोजन में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में 'टूना क्लस्टर विकास' पर विशेष ज़ोर दिया गया। वर्ष 2026 के महोत्सव की थीम 'सभी के लिए सुरक्षित, पौष्टिक और सतत समुद्री भोजन' रही, जो ज़िम्मेदार मात्स्यिकी, खाद्य सुरक्षा और टिकाऊ समुद्री खाद्य उपभोग को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

समापन समारोह की मुख्य अतिथि मत्स्य सचिव श्रीमती ज्योति कुमारी (आईएएस) रहीं। अपने संक्षिप्त संबोधन में उन्होंने आयोजन को सफल बनाने के लिए आम जनता के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने मत्स्य मूल्य श्रृंखला से जुड़े विभिन्न हितधारकों–मछुआरे, मत्स्य व्यापारी, मत्स्य प्रसंस्करणकर्ता, स्थानीय विक्रेता, रेस्टोरेंट, होटल तथा उपभोक्ताओं–की भूमिका पर प्रकाश डाला।

सचिव ने समुद्री खाद्य की संभावनाओं एवं उपलब्धता की जानकारी देते हुए आश्वासन दिया कि द्वीपों में पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय लोगों को अपने समुद्री व्यंजनों को प्रदर्शित करने का मंच उपलब्ध कराने के लिए भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों का नियमित आयोजन किया जाएगा। उन्होंने इस आयोजन के लिए अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन का आभार भी व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्होंने मत्स्य निदेशक सुश्री जगताप कल्याणी राजेंद्र की उपस्थिति में महोत्सव के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

अपने संबोधन में मत्स्य निदेशक ने स्टॉल संचालकों एवं स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) का धन्यवाद किया, जिनकी सक्रिय भागीदारी एवं आकर्षक प्रस्तुतियों से दो दिवसीय महोत्सव को अभूतपूर्व सफलता मिली। समापन दिवस पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों एवं पर्यटकों ने महोत्सव स्थल का रुख किया। यहां मत्स्य से संबंधित विविध गतिविधियां, उत्पाद एवं सेवाएं प्रदर्शित की गईं। स्टॉलों पर जीवित, ताज़ी, शीतित एवं जमी हुई मछलियां, मूल्य संवर्धित मछली उत्पाद, समुद्री खाद्य व्यंजन, एक्वेरियम, मछली आहार, आवश्यक मत्स्य सामग्री तथा स्पोर्ट फिशिंग सेवाएं

शेष पृष्ठ 4 पर

वार्ड संख्या–17 के उप–चुनाव के संबंध में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

श्री विजय पुरम, 16 जनवरी

श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद के वार्ड संख्या–17 के उप–चुनाव (8 फरवरी, 2026) के मद्देनज़र मतदान केंद्रों की तैयारियों एवं आदर्श आचार संहिता के पालन पर चर्चा हेतु 16 जनवरी, 2026 को सायं 4 बजे, उपायुक्त कार्यालय, दक्षिण अण्डमान के सम्मेलन कक्ष में राष्ट्रीय/राज्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रिटर्निंग ऑफिसर, उप–चुनाव, वार्ड संख्या–17 ने

की। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार रिटर्निंग ऑफिसर ने सातों मतदान केंद्रों की स्थिति रिपोर्ट तथा आदर्श आचार संहिता के बिंदुओं की जानकारी दी। प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का समाधान किया गया और सभी उम्मीदवारों/राजनीतिक दलों से चुनाव प्रक्रिया के दौरान सहयोग तथा नियमों के पालन का अनुरोध किया गया।

पशु कल्याण पखवाड़ा–2026 के दौरान विविध गतिविधियां जारी

श्री विजय पुरम, 16 जनवरी

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग द्वारा पशु कल्याण पखवाड़ा–2026 का औपचारिक शुभारंभ किया गया, जो 14 से 30 जनवरी तक मनाया जा रहा है। यह वार्षिक आयोजन पशुओं के प्रति दया, करुणा एवं ज़िम्मेदार देखभाल के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाने के साथ–साथ कृषि, आजीविका, खाद्य सुरक्षा एवं पर्यावरणीय संतुलन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

पखवाड़े का उद्घाटन कालीकट एवं न्यू बिम्बलीटान की गोशालाओं में

शेष पृष्ठ 4 पर

कृषि विभाग द्वारा रियायती दरों पर रासायनिक उर्वरकों की बिक्री प्रारंभ

श्री विजय पुरम, 16 जनवरी

कृषि विभाग ने विभाग के उप–डिपो के माध्यम से रासायनिक उर्वरकों की बिक्री प्रारंभ कर दी है। ये उर्वरक कृषि विभाग की यूटी योजना के अंतर्गत निर्धारित सहायता पैटर्न के अनुसार किसानों को रियायती दरों पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपने नज़दीकी कृषि उप–डिपो से ही उर्वरक खरीदें और किसी भी अवैध या अनधिकृत विक्रेता से उर्वरक न लें, क्योंकि ऐसे उत्पाद घटिया हो सकते हैं और फसलों, मिट्टी तथा मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकते हैं।

शेष पृष्ठ 4 पर

अण्डमान तथा निकोबार पुलिस ने 74वां स्थापना ——————पृष्ठ 1 का शेष

मामले दर्ज़ किए गए, 11 गिरफ्तारियां हुईं और 32.47 लाख रुपये की राशि बरामद की गई।

यातायात प्रवर्तन और सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए 33,000 से अधिक चालान जारी किए गए, जिनमें 2,326 नशे में वाहन चलाने के मामले शामिल थे, जिससे 1.96 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया। प्रवर्तन के साथ–साथ शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए चिल्ड्रन ट्रैफिक पार्क को उन्नत कर सेंटर फॉर ट्रैफिक एजुकेशन एंड सिमुलेशन (सीटीईएस) में परिवर्तित किया गया, जिससे दिसंबर, 2025 तक 6,000 से अधिक बच्चों और 100 से अधिक छात्रों को लाभ मिला।

समुद्री एवं तटीय सुरक्षा में भी पुलिस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 87 से अधिक अवैध विदेशी मछुआरों को गिरफ्तार किया गया और समुद्री ककड़ी सहित 3,127 किलोग्राम संरक्षित समुद्री प्रजातियों को ज़ब्त किया गया। समुद्री तैयारी को सुदृढ़ करने हेतु चार फास्ट इंटरसेप्टर बोट्स के लिए तीन वर्षीय व्यापक एएमसी को अंतिम रूप दिया गया तथा पांच दूरस्थ लुकआउट पोस्टों पर सौर ऊर्जा प्रणालियां स्थापित की गईं।

अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं ने 268 अग्निकांड कॉल और 833 विशेष सेवा कॉल में त्वरित कार्रवाई कर लगभग 112 करोड़ रुपये की संपत्ति को बचाया। एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा प्रशिक्षण केंद्र को गृह मंत्रालय द्वारा एनएफएससी, नागपुर के अंतर्गत राज्य प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मान्यता दी गई, जिससे द्वीपों में राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम संभव हो सके।

आधुनिकीकरण के तहत पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय, प्रोथरापुर में अत्याधुनिक छह लेन का फायरआर्म्स ट्रेनिंग सिम्युलेटर और 10 कमांडो बाधाओं का उद्घाटन किया गया। परिचालन गतिशीलता बढ़ाने के लिए महिला पुलिस कर्मियों हेतु 36 स्कूटर खरीदे गए, छह एलएमवी के लिए आपूर्ति आदेश जारी किए गए तथा 23 पीसीआर वाहन और 18 मोटरसाइकिलों की स्वीकृति प्रक्रिया जारी है।

मानव संसाधन विकास पर विशेष ध्यान देते हुए 248 पुलिस कांस्टेबलों के 74वें बैच ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण किया। लगभग पांच वर्षों के अंतराल के बाद पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से 542 होमगार्ड पद भरे गए। इसके अतिरिक्त 42 कर्मियों को पदोन्नति दी गई तथा 308 कर्मियों को एमएसीपी एवं वेतन निर्धारण का लाभ प्रदान किया गया।

जन सुनवाई, बाल संवाद, वयोवंदन और सागर दर्शन जैसी सामुदायिक पुलिसिंग पहलों से जनविश्वास मजबूत हुआ। साइबर अपराध, नशा मुक्ति, सड़क सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता पर बड़े पैमाने पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जनवरी, 2026 में आयोजित न्याय संहिता प्रदर्शनी, जिसका उद्घाटन माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने किया, ने नए आपराधिक कानूनों के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाई।

खेल के क्षेत्र में भी बल ने 38वें राष्ट्रीय खेल, अखिल भारतीय अग्निशमन सेवा खेल प्रतियोगिता तथा अण्डमान तथा निकोबार पुलिस सॉकर लीग में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर केंद्रशासित प्रदेश का नाम रोशन किया। वर्ष 2025 में 55 अधिकारियों एवं कर्मियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक (विशिष्ट सेवा) एवं सराहनीय सेवा पदक सहित प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाज़ा गया।

स्थापना दिवस समारोह के दौरान बल की समृद्ध विरासत को भी स्मरण किया गया, जिसकी जड़ें 1875 तक जाती हैं तथा 1924 और 1953 के महत्वपूर्ण पड़ावों को रेखांकित किया गया, जब श्री नौशिरवान फिरोज़ सौनटूक बल का नेतृत्व करने वाले प्रथम आईपीएस अधिकारी बने। समारोह सप्ताहव्यापी कार्यक्रमों–जागरूकता अभियानों, सांस्कृतिक आयोजनों एवं पारंपरिक बड़ा खाना–के साथ जारी रहेगा।

पुलिस अधीक्षक (सशस्त्र पुलिस इकाई) से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार नव संकल्प के साथ, अण्डमान तथा निकोबार पुलिस ने द्वीपों में शांति, सुरक्षा और सौहार्द की रक्षा करते हुए निष्ठा, ईमानदारी और पेशेवरिता के साथ राष्ट्र की सेवा जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

द्वीप समुद्री खाद्य महोत्सव–2026 का ——————————पृष्ठ 1 का शेष

प्रदर्शित की गईं। दर्शकों के मनोरंजन हेतु रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बालकृष्ण नृत्य अकादमी के कलाकारों एवं लाइव बैंड ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। महोत्सव के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में रिशिता गन्नी पी. एवं सुश्री मनीषा जाना, जसप्रीत कौर एवं सेलेस्टी टी., निश्दा नासिर पी. एवं नसीरीन बेगम को क्रमशः पहला तीन स्थान प्राप्त हुआ।

पारंपरिक मत्स्यहरण नाव दौड़ में जी. मुकेंदर राव एवं आर. दिल्ली राव, ए. कुमार स्वामी एवं ए. गणेश, दिल्ली राव एवं के. दुरावासुलु को क्रमशः पहला तीन स्थान मिला। श्रेष्ठ शेफ (पुरुष वर्ग) में इमरान को प्रथम और सी. एच. सोमेश राव को द्वितीय स्थान हासिल हुआ। श्रेष्ठ शेफ (महिला वर्ग) में लिनी थॉमस को पहला, एस. के. शीला को दूसरा, सलमा बेगम एवं टी. एन. देवी को संयुक्त रूप से तीसरा तथा ज्ञानेश्वरी को चौथा स्थान प्राप्त हुआ।

पशु कल्याण पखवाड़ा–2026 के दौरान विविध ——————————पृष्ठ 1 का शेष

उत्साहपूर्वक किया गया, जहां पारंपरिक शैली में गौ–पूजन किया गया। इस अवसर पर पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि, प्रधान एवं पीआरआई सदस्य, स्कूली बच्चे, पशु प्रेमी तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

पखवाड़े के दौरान समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु अनेक गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। हाल ही में डॉलीगंज स्थित कैटल फार्म में पारंपरिक माट्टू पोंगल श्रद्धापूर्वक मनाया गया, जिसमें पशुओं को स्नान कराया गया, उनके सींग रंगे गए, फूल–मालाओं से सजाया गया और कृषि एवं दुग्ध उत्पादन में उनके योगदान के प्रति आभार स्वरूप पारंपरिक पोंगल तैयार किया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आगामी दिनों में दक्षिण अण्डमान में पालतू पशुओं के मालिकों के लिए पेट वॉक, ज़िम्मेदार पालतू पालन, नियमित टीकाकरण एवं नसबंदी पर जागरूकता बैनरों के साथ आयोजित की जाएगी। विभिन्न संस्थानों में पशु चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर लगाकर निःशुल्क जांच, एंटी–रेबीज टीकाकरण, कृमिनाशन एवं पशुपालकों को परामर्श दिया जाएगा। स्कूलों में पशुओं की प्राथमिक चिकित्सा पर जागरूकता सत्र एवं जीवंत प्रदर्शन भी आयोजित होंगे। पखवाड़े का समापन स्कूली बच्चों के लिए विभागीय पशु चिकित्सा फार्मों, हैचरी एवं संस्थानों के शैक्षिक भ्रमण के साथ होगा।

विभाग ने द्वीपवासियों, पालतू पशु मालिकों, पशु प्रेमियों, विद्यार्थियों, गैर–सरकारी संगठनों, पीआरआई सदस्यों एवं स्वैच्छिक संस्थाओं से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया है, ताकि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में एक अधिक मानवीय और करुणामय समाज का निर्माण किया जा सके।

कृषि विभाग द्वारा रियायती दरों पर रासायनिक ——————————पृष्ठ 1 का शेष

प्राप्त विज्ञप्ति में विभाग ने चेतावनी दी है कि रासायनिक उर्वरकों की अवैध या अनधिकृत बिक्री पाए जाने पर उर्वरक नियंत्रण आदेश (एफसीओ), 1985 के अंतर्गत सख्त कार्रवाई की जाएगी। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे टिकाऊ कृषि विकास के लिए केवल विभागीय उप–डिपो से गुणवत्तापूर्ण रियायती उर्वरक ही खरीदें। अधिक जानकारी एवं मार्गदर्शन के लिए किसान अपने स्थानीय कृषि उप–डिपो, क्षेत्रीय कृषि कार्यालय अथवा किसान कॉल सेंटर 03192–243434 से संपर्क कर सकते हैं।

डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा की लैप्स पॉलिसियों के पुनर्जीवन हेतु विशेष अभियान

श्री विजय पुरम, 16 जनवरी

संचार मंत्रालय के अधीन डाक विभाग द्वारा देशभर में डाक जीवन बीमा (पीएलआई) तथा ग्रामीण डाक जीवन बीमा (आरपीएलआई) की लैप्स (निष्क्रिय) पॉलिसियों को पुनर्जीवित करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया गया है। यह पुनर्जीवन अभियान 14 जनवरी, 2026 से प्रारंभ हुआ है और तीन माह की अवधि तक, अर्थात् 14 अप्रैल, 2026 तक प्रभावी रहेगा।

नागरिकों को अपने वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, पीएलआई निदेशालय ने विलंब शुल्क एवं डिफॉल्ट चार्ज में महत्वपूर्ण छूट की घोषणा की है। ये रियायतें देय कुल प्रीमियम राशि के आधार पर निर्धारित की गई हैं।

(छूट/रियायतों का विस्तृत विवरण संबंधित अधिसूचना/कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।)

रिवाइवल के कारण सभी तरह की पीएलआई/आरपीएलआई पॉलिसी के लिए मिलने वाला कुल प्रीमियम	लेट/डिफ़ॉल्ट फ़ीस में छूट	लेट/डिफ़ॉल्ट फ़ीस में छूट/माफ़ी की ज्यादा से ज्यादा सीमा
1,00,000 रुपये तक	25 प्रतिशत	2500 रुपये
1,0,001 रुपये से 3,00,000 रुपये तक	25 प्रतिशत	3000 रुपये
3,00,001 रुपये और उससे ज्यादा	30 प्रतिशत	3500 रुपये

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार ये रियायतें केवल डिफॉल्ट शुल्क पर लागू होंगी तथा पॉलिसी के पुनर्जीवन की संपूर्ण देय राशि एकमुश्त भुगतान के रूप में जमा करनी होगी। पॉलिसी धारकों से आग्रह किया गया है कि वे अपनी पात्रता की जानकारी प्राप्त करने एवं इस सीमित अवधि की वित्तीय छूट का लाभ उठाने के लिए अपने निकटतम डाकघर या सीपीसी (सेंट्रल प्रोसेसिंग सेंटर) से संपर्क करें।

विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर : एनसीसी कैडेटों ने सुभाष चंद्र बोस द्वीप और नॉर्थ बे द्वीप का दौरा किया

श्री विजय पुरम, 16 जनवरी।

चल रहे विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर (एसएनआईसी) के अंतर्गत, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेटों ने सुभाष चंद्र बोस द्वीप और नॉर्थ बे द्वीप का शैक्षिक और ऐतिहासिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य कैडेटों में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और भारत की समृद्ध ऐतिहासिक एवं सामरिक विरासत के प्रति जागरूकता पैदा करना था। यह भ्रमण एनसीसी सेना इकाई के कमान अधिकारी कर्नल के.वाई. सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कैडेटों को सुभाष चंद्र बोस द्वीप के ऐतिहासिक महत्व, विशेषकर भारत के स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह भ्रमण स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा राष्ट्र के लिए किए गए बलिदानों की सशक्त स्मृति का प्रतीक था। कैडेटों ने नॉर्थ बे में विभिन्न जल क्रीड़ा गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मोहनपुर में स्वास्थ्य आउटरीच शिविर एवं स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित

मायाबंदर, 16 जनवरी

जनवरी, 2026 के दौरान आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम), मोहनपुर, उत्तर व मध्य अण्डमान के अंतर्गत डॉ. आरपी अस्पताल, मायाबंदर की प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. एलिस ब्वा के पर्यवेक्षण में आउटरीच स्वास्थ्य शिविर एवं स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

बोरांग में आयोजित आउटरीच स्वास्थ्य शिविर का नेतृत्व डॉ. हनी निक्कीसन ने किया। शिविर में सामान्य चिकित्सा परामर्श, दवाओं का वितरण किया गया तथा गंभीर मामलों को आगे की जांच हेतु डॉ. आर. पी. अस्पताल, मायाबंदर भेजा गया। शिविर के दौरान सीपीआर जागरूकता सत्र एवं क्षय रोग (टीबी) जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कुल 42 लाभार्थियों ने भाग लिया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इससे पूर्व 13 जनवरी को हरा टेकरी में स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों की ऊंचाई, वजन, हीमोग्लोबिन, दंत एवं कान जांच की गई तथा पात्र छात्रों को टीडी टीकाकरण प्रदान किया गया। साथ ही पोषण, स्वच्छता, योग एवं मिड–डे मील की गुणवत्ता पर भी जागरूकता पैदा की गई।

द्वीपों में ब्रॉयलर नामक्कल बटेर पालन की शुरुआत

श्री विजय पुरम, 16 जनवरी

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में तेज़ी से बढ़ने वाली बटेर की नई किस्म ब्रॉयलर नामक्कल क्वेल के पालन एवं उत्पादन की सफल शुरुआत की है। यह पहल द्वीपों में कुक्कुट विविधता, मांस उत्पादन तथा किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल के तहत तमिलनाडु के नामक्कल स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान से 2500 पैरेंट स्टॉक ब्रॉयलर बटेर के हैचिंग अंडे प्राप्त किए गए। इन अंडों का हैचिंग कार्य केंद्रीय हैचरी, पशुधन फार्म परिसर, डॉलीगंज में किया गया तथा निकले चूजों को अंडा देने की अवस्था तक वहीं पाला गया।

अंडा उत्पादन प्रारंभ होने के साथ ही विभाग ने अन्य हैचरी इकाइयों को जननक्षम हैचिंग अंडों की आपूर्ति शुरू कर दी है। प्रथम चरण में 1200 ब्रॉयलर बटेर हैचिंग अंडे हटबे, बसंतीपुर एवं सीतानगर स्थित संयुक्त पशुधन फार्मों को भेजे गए हैं, ताकि आगे चूजों का उत्पादन कर किसानों को उपलब्ध कराया जा सके।

ब्रॉयलर बटेर अपनी तेज़ वृद्धि दर, 5–6 सप्ताह में बाज़ार योग्य वजन, 6–7 सप्ताह में अंडा उत्पादन की शुरुआत, प्रति पक्षी प्रति वर्ष 250–280 अंडों का उत्पादन, कम चारा आवश्यकता एवं उच्च गुणवत्ता वाले मांस के लिए जानी जाती है। यह प्रजाति कम स्थान में अधिक लाभ देने के कारण छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए अत्यंत उपयुक्त मानी जाती है। इस पहल से किसानों के लिए नई आय के अवसर सृजित होने के साथ–साथ स्थानीय स्तर पर मांस एवं अंडों की उपलब्धता सुदृढ़ होने की उम्मीद है।

कॉलिनपुर में लघु आरसीएच शिविर आज

श्री विजय पुरम, 16 जनवरी

प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरसीएच–2), यूटी हेल्थ मिशन द्वारा स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन तथा 'अनिम्स' के सहयोग से 17 जनवरी को सुबह 10 बजे से पंचायत हॉल, कॉलिनपुर (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, टुसनाबाद के अंतर्गत) में लघु आरसीएच शिविर आयोजित किया जाएगा। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, ईएनटी विशेषज्ञ एवं दंत चिकित्सक अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। क्षेत्र के लोगों से आग्रह किया गया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस अवसर का लाभ उठाएं।

ग्रामीण महिलाओं के लिए रैग डॉल मेकिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

श्री विजय पुरम, 16 जनवरी

ग्रामीण विकास विभाग एवं इंटैच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रैग डॉल मेकिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन 13 जनवरी को हुआ। इस प्रशिक्षण में विभिन्न स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की कुल 34 ग्रामीण महिलाओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों को रैग डॉल बनाने की व्यावहारिक जानकारी दी गई, जिसमें रचनात्मकता, गुणवत्ता एवं आय सृजन पर विशेष ध्यान दिया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में ग्रामीण विकास निदेशक डॉ. अपूर्वा शर्मा ने प्रतिभाग किया और एसएचजी सदस्यों की लगन, रचनात्मकता एवं प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कौशल आधारित पहलें महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रशिक्षण में शामिल 15 एसएचजी सदस्य 'लखपति दीदी' बनने की क्षमता रखती हैं। कार्यक्रम का समापन प्रमाण पत्र वितरण के साथ हुआ।

'डाइट' द्वारा एफएलएन, अंकुरण एवं विद्यालय नामांकन संवर्धन पर चेतना लाई गई

श्री विजय पुरम, 16 जनवरी

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), गाराचरामा द्वारा 12 जनवरी, 2026 से 16 जनवरी, 2026 के दौरान दक्षिण अण्डमान एवं विम्बर्लीगंज शैक्षिक अंचलों के सभी क्लस्टर रिसोर्स सेंटर्स में आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता (एफएलएन), अंकुरण तथा विद्यालय नामांकन संवर्धन पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समन्वय डाइट के व्याख्याता श्री पवन एस. प्याती ने किया। उन्हें श्री अशोक सरकार, श्रीमती जी. आर. राजी, सुश्री अनुराधा हैप्पी एवं श्री गणेश (डाइट के संकाय सदस्य) तथा डी.ईआई.एड. प्रशिक्षुओं का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ। टीम के सामूहिक प्रयासों से कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ और 12 सीआरसी से अभिभावकों व समुदाय के हितधारकों (एसएमसी/एसएमडीसी/पीटीए सदस्य) की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हुई।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के डी.ईआई.एड. प्रशिक्षुओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक एवं जागरूकता गतिविधियाँ रहीं, जिनमें नाटक, नृत्य एवं समूह गीत शामिल थे। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से एफएलएन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं विद्यालय नामांकन के महत्व को सरल, प्रभावी एवं रोचक ढंग से अभिभावकों और समुदाय तक पहुँचाया गया।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

शपथ पत्र

मैं, विनीत पाण्डेय, पुत्र श्री विजय कुमार पाण्डेय, आयु 19 वर्ष, निवासी लिलीपुर, हैडो, श्री विजय पुरम, सत्यनिष्ठा से यह शपथ लेकर घोषणा करता हूँ कि :

1. मैं इस शपथ पत्र का अभिकर्ता (Deponent) हूँ और इसे करने के लिए पूर्णतः सक्षम हूँ।
2. मेरे पिता का वास्तविक, सही एवं कानूनी नाम 'विजय कुमार' पाण्डेय है।
3. मेरे पिता के आधिकारिक पहचान पत्र, अर्थात आधार कार्ड संख्या 2688 4560 3204 में उनके नाम का उल्लेख 'विजय कुमार पाण्डेय' के रूप में दर्ज है।
4. अनजाने में हुई लिपिकीय/टंकण त्रुटि के कारण, मेरी कक्षा 10वीं की अंकसुची में मेरे पिता का नाम गलत रूप से 'विजय पाण्डेय' दर्ज हो गया है।
5. 'विजय कुमार पाण्डेय' और 'विजय पाण्डेय' दोनों एक ही व्यक्ति को संदर्भित करते हैं, अर्थात मेरे पिता।
6. मैं यह घोषणा करता हूँ कि सभी शैक्षणिक, आधिकारिक, कानूनी एवं प्रशासनिक प्रयोजनों के लिए मेरे पिता का नाम 'विजय कुमार पाण्डेय' ही माना एवं उपयोग किया जाए।
7. यह शपथ पत्र सही एवं वास्तविक तथ्यों को अभिलेख पर लाने तथा भविष्य में किसी भी प्रकार की भ्रम या विसंगति से बचने के उद्देश्य से निष्पादित किया गया है।

मैं, यह भी घोषणा करता हूँ कि उपर्युक्त सभी कथन मेरी सर्वोतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही है तथा इनमें से कोई भी महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया नहीं गया है।

शपथकर्त्ता

शपथ पत्र

मैं, राजीना, पुत्री सैदालवी, पत्नी अब्दुल मनाफ, निवासी हैडो गांव के अंतर्गत श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अण्डमन जिला, एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करती हूँ :

1. कि मेरा नाम तथा मेरे पिता का नाम मेरे शैक्षणिक अभिलेखों में त्रुटिवश Rajina. M, D/o Saidalaivi. M अंकित हो गया है, जबकि मेरा सही नाम Rajeena, D/o Saidalaivi है, जो कि मेरे PAN CARD एवं अन्य दस्तावेजों में दर्ज है।
2. कि मेरे जन्म तिथि भी मेरे शैक्षणिक अभिलेखों में गलत रूप से 25.05.1989 दर्ज है, जबकि मेरी सही जन्म तिथि 25.05.1988 है, जो कि मेरे पैन कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में अंकित है।
3. कि मेरा वास्तविक एवं सही नाम राजीना है, मेरे पिता का वास्तविक एवं सही नाम सैदालवी है तथा मेरी वास्तविक एवं सही जन्म तिथि 25.05.1988 है।
4. कि Rajina. M. D/o Saidalaivi M तथा Rajeena. D/o Saidalaivi एक ही एवं समान व्यक्ति है।
5. कि मैं यह शपथ पत्र यह घोषित करने हेतु दे रही हूँ कि उपरोक्त नाम एक ही एवं समान व्यक्ति के हैं तथा मेरे नाम एवं जन्म तिथि में कोई अंतर नही है । मेरी वास्तविक एवं सही जन्म तिथि 25.05.1988 है, जो कि मेरे नाम पर पासपोर्ट प्राप्त करने एवं अन्य सभी प्रयोजनों हेतु आवश्यक है। अतः यह शपथ पत्र प्रस्तुत किया जा रहा है।

शकथकर्त्ता

शपथ पत्र

मैं, श्रीमती जसीना जब्बार, पत्नी श्री मंगलमपिल्ली अब्दुल जब्बार, उम्र लगभग 50 साल, फीनिक्स बे, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान में रहती हूँ, इसके द्वारा पूरी ईमानदारी से नीचे दी गई बात की पुष्टि और घोषणा करती हूँ :

1. मेरे पति का सही नाम श्री मंगलमपिल्ली अब्दुल जब्बार है, जैसा कि मेरे दस्तावेजों में दर्ज है।
2. मेरे पति का नाम मेरे पासपोर्ट में गलती से श्री मंगलमपिल्ली मोहम्मद अब्दुल जब्बार के रूप में दर्ज हो गया है।
3. श्री मंगलमपिल्ली अब्दुल जब्बार और श्री मंगलमपिल्ली मोहम्मद अब्दुल जब्बार एक ही व्यक्ति को संदर्भित करते हैं जो मेरे पति है।
4. यह शपथ पत्र मेरे पासपोर्ट में मेरे पति के नाम को ठीक करने और दूसरे सभी कार्यालयीन और कानूनी कामों के लिए बनाया गया है।

मैं, यह घोषणा करती हूँ कि ऊपर दिए गए बयान मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है।

स्थान : श्री विजय पुरम

दिनांक : 15.01.2026

शपथकर्त्ता

नकली बीजों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार आगामी बजट सत्र में बीज अधिनियम 2026 पेश करेगी

नई दिल्ली, 16 जनवरी।

सरकार आगामी बजट सत्र में बीज अधिनियम 2026 पेश करेगी। आज नई दिल्ली में संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि कानून का उद्देश्य खराब गुणवत्ता वाले, नकली और अनधिकृत बीजों की बिक्री पर अंकुश लगाना है। इसका लक्ष्य किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज उपलब्ध कराना, जलवायु परिवर्तन के अनुकूल किस्मों को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि नया कानून जानकारी की सुविधा भी प्रदान करेगा।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने नई दिल्ली में 'Gen V Bano' और 'महात्मा' पुस्तकों का विमोचन किया

नई दिल्ली, 16 जनवरी।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज नई दिल्ली में दो नई पुस्तकों का विमोचन किया। Gen V Bano और महात्मा शीर्षक वाली ये पुस्तकें भारत के पहले नमो पुस्तक महोत्सव में विमोचित हुईं। डॉ. सिंह ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि आज और कल आयोजित हो रहे इस महोत्सव में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पर आधारित पुस्तकों की एक विशेष प्रदर्शनी लगाई गई है। उन्होंने कहा कि यह लेखकों, विचारकों और युवाओं को विचारों के आदान–प्रदान के लिए एक मंच प्रदान करता है।

स्टार्टअप इंडिया के 10 सालः पेटीएम से जीरोधा तक, इन स्टार्टअप्स ने बदली आम भारतीय की सोच

नई दिल्ली, 16 जनवरी।

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना स्टार्टअप इंडिया के 10 साल पूरे हो गए हैं। इस स्कीम ने देश में स्टार्टअप इकोसिस्टम में जान फूंकने का काम किया है और इसके जरिए कई ऐसी कंपनियां आई हैं, जिन्होंने उन क्षेत्रों को ऑनलाइन लाने का काम किया, जिन्हें पहले केवल ऑफलाइन ही किया जाता था।

पेटीएम और फोनपे देश के उन कुछ चुनिंदा स्टार्टअप्स में से एक हैं, जिसने पिछले एक दशक में इंटरनेट के जरिए वित्तीय उपकरणों को आम आदमी तक पहुंचाने का काम किया है। इन स्वदेशी ऐप्स ने देश की अर्थव्यवस्था को नकद से ऑनलाइन हस्तांतरित करने में अहम भूमिका निभाई है। मौजूदा समय में यूपीआई सिस्टम में इन दोनों ऐप्स के पास एक बड़ी हिस्सेदारी है। यह ऐप्स लोन आदि की भी सुविधाएं देते हैं, जिसके कारण ऑनलाइन लोन लेना काफी आसान हो गया है।

जीरोधा और ग्रो, देश में स्टॉक ब्रोकिंग को आम आदमी तक कम लागत में पहुंचाने का श्रेय इन दोनों ऐप्स को जाता है। इन्होंने डिस्काउंट ब्रोकिंग मॉडल अपनाकर आधुनिक टेक्नोलॉजी के माध्यम से स्टॉक ब्रोकिंग को आसान बनाया। कोरोना के बाद इन ऐप्स की लोकप्रियता में तेजी से इजाफा हुआ। हालांकि, कई बार स्टॉक मार्केट

के घाटों के दौरान इन ऐप्स पर लोगों को मुश्किलों का भी सामना करना पड़ा है।

अर्बन कंपनी और यस मैडम भी ऐसे ही स्टार्टअप हैं, इन स्टार्टअप ने सैलून जैसी सुविधा को ऑनलाइन लाने का काम किया है। अर्बन कंपनी के जरिए आप बड़े शहरों में आसानी से इलेक्ट्रिशियन और कई छोटे कामों के लिए वर्कर्स को बुला सकते हैं। वहीं, यस मैडल फिलहाल केवल सैलून और मेकअप से जुड़ी सुविधाएं देती है। एस्ट्रोटॉक भी एक ऐसा ही स्टार्टअप है, जिसने एस्ट्रोलॉजी से जुड़े सेक्टर को औपचारिक क्षेत्र में लाने का काम किया है। यह एस्ट्रोलॉजी से जुड़ी सर्विसेज ऑनलाइन उपलब्ध कराता है। वहीं, स्कैपअंकल, कबाड़ को बेचने की ऑनलाइन सुविधा देता है।

समुद्र का 'महाबली' यूएसएस अब्राहम लिंकनः हर युद्ध और हमले के लिए तैयार रहने वाला यह जहाज कितना खतरनाक है?

नई दिल्ली, 16 जनवरी।

ईरान में पिछले साल के आखिर में शुरू हुए सरकार विरोधी प्रदर्शन जारी हैं। इस दौरान अमेरिका ईरान के आसपास अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने में जुट गया है। अमेरिकी नौसेना ने यूएसएस अब्राहम लिंकन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप–3 को दक्षिण चीन सागर से मिडिल ईस्ट की ओर रवाना कर दिया है।

अमेरिका ने यह फैसला ईरानी एयरस्पेस बंद होने के एक घंटे बाद लिया। यूएसएस अब्राहम लिंकन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप चीन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए दक्षिण चीन सागर में तैनात था, लेकिन अब यह मूवमेंट कर रहा है। मिडिल ईस्ट तक पहुंचने में यूएसएस अब्राहम लिंकन को एक हते का समय लग सकता है।

न्यूज नेशन की व्हाइट हाउस संवाददाता केली मेयर ने जानकारी दी कि यूएसएस अब्राहम लिंकन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप दक्षिण चीन सागर से सेंट्रल कमांड की ओर बढ़ रहा है, जोकि मिडिल ईस्ट, उत्तर–पूर्वी अफ्रीका, साउथ एशिया और सेंट्रल एशिया के 21 देशों को कवर करता है।

बता दें कि अभी तक अमेरिकी वॉर मिनिस्ट्री के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की है। गौर करने वाली बात यह है कि अमेरिका ने इस साल की शुरुआत में वेनेजुएला में हमला किया था, उससे वहां भी इस तरह सेना की मौजूदगी बढ़ाई थी।

क्या है अब्राहम लिंकन?

यूएसएस अब्राहम लिंकन अमेरिकी नौसेना सबसे शक्तिशाली, हाइली एडवांस्ड और न्यूक्लियर–पावर्ड एयरक्राट कैरियर है। यह दुनिया के सबसे बड़े और सबसे ताकतवर वॉरशिप में से एक है। यह पिछले 30 साल से ज्यादा समय से अमेरिकी समुद्री रणनीति का अहम हिस्सा बना हुआ है।

नाम यूएसएस अब्राहम लिंकन क्यों?

यूएसएस अब्राहम लिंकन को नवंबर, 1989 में अमेरिकी नौसेना में शामिल किया गया था। इसका नाम अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के नाम पर रखा गया है। यूएसएस अब्राहम लिंकन अमेरिका की वैश्विक सुरक्षा, सैन्य दबदबे और शक्ति प्रदर्शन का प्रतीक माना जाता है।

क्या है इसकी खासियत?

अमेरिकी नौसेना की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, न्यूक्लियर–पावर्ड एयरक्राट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन के साथ आम तौर पर 3 से 4 गाइडेड–मिसाइल डिस्ट्रॉयर्स होते हैं, जो एयर डिफेंस, एंटी–सबमरीन और लैंड–अटैक ऑपरेशन कर सकते हैं। एक क्रूजर भी होता है, जो

ऑपरेशंस के दौरान कमांड और कंट्रोल के काम में मददगार होता है।

यूएसएस अब्राहम लिंकन के साथ दो न्यूक्लियर अटैक सबमरीन तैनात होती हैं, जोकि दुश्मन के युद्धपोत और पनडुब्बियों को ट्रैक करने के साथ–साथ टोमाहॉक मिसाइलें (वॉरशिप या पनडुब्बी से दागी जा सकने वाली लंबी दूरी की मिसाइलें) दाग सकती हैं। इस पर 7000–8000 तक सैनिक सवार रहते हैं।

इसके अलावा, लॉजिस्टिक सपोर्ट के लिए एक से दो सपोर्ट जहाज जैसे– ऑयलर और सप्लाई शिप भी साथ चलते हैं। यानी कि अगर कुल मिलाकर देखा जाए तो यूएसएस अब्राहम लिंकन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप में एक कैरियर, 3–6 सरफेस वॉरशिप, 1–2 पनडुब्बियां और सपोर्ट शिप साथ चलता है।

कितना खतरनाक है यह बेड़ा?

अमेरिका ने जिस यूएसएस अब्राहम लिंकन को मिडिल ईस्ट की ओर रवाना किया है, उसे बेहद खतरनाक माना जाता है। यह सिर्फ एक युद्धपोत नहीं, समुद्र में चलता–फिरता युद्ध मुख्यालय है। कैरियर स्ट्राइक ग्रुप–3 इसकी ताकत को कई गुना बढ़ाता है।

यह हवाई, समुद्री और जमीन तीनों पर हमला करने में सक्षम है। इसकी दहशत का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि कई देश इसे देखकर ही रणनीति बदल देते हैं।

यह दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हवाई हमला कर सकता है।

दुश्मन के रडार और कम्युनिकेशन सिस्टम को जाम कर देता है।

समुद्र से ही हजारों किलोमीटर दूर तक निगरानी कर सकता है।

पनडुब्बी और समुद्री जहाजों को खोजकर उनका नामोनिशान मिटा सकता है।

भारत के स्टार्टअप तंत्र ने एक दशक में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिलः वाणिज्य मंत्री

नई दिल्ली, 16 जनवरी।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत के स्टार्टअप तंत्र ने पिछले एक दशक में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है जो नवाचार, दृढ़ता और वैश्विक मान्यता की यात्रा को दर्शाती है। 10वें राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के अवसर पर उद्यमियों, नवोन्मेषकों तथा उद्योग प्रमुखों को संबोधित करते हुए श्री गोयल ने भारत की स्टार्टअप यात्रा को सफलता और वृद्धि की अतुलनीय गाथा बताया। उन्होंने कहा कि भारत में स्टार्टअप छोटे से शुरू होकर आज विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप तंत्र बन गया है। उन्होंने भारत की स्टार्टअप यात्रा का हिस्सा बनने के लिए देश के युवाओं की सराहना की।

क्या आपको पता है भारत का कौन–सा शहर को कहलाता है 'Cotton City'

नई दिल्ली, 16 जनवरी।

जब हम मुंबई के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले हमारे दिमाग में ऊंची इमारतें, समुद्र और देश की वित्तीय राजधानी की छवि आती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस शहर की ऐतिहासिक नींव 'सफेद सोने' यानी कपास पर टिकी है?

जी हां, मुंबई को 'भारत की कॉटन सिटी' का गौरवशाली खिताब हासिल है। यह शहर केवल फिल्मों या शेयर बाजार का केंद्र नहीं रहा, बल्कि एक दौर में इसने भारत के सूती वस्त्र उद्योग की दिशा और दशा दोनों बदल दी थी। आखिर कैसे मुंबई बना देश का सबसे बड़ा टेक्सटाइल हब और इसका भारतीय अर्थव्यवस्था में क्या योगदान रहा? आइए, इस दिलचस्प कहानी को जानते हैं।

मुंबई ही क्यों है कॉटन सिटी?

मुंबई को कॉटन सिटी कहे जाने की सबसे बड़ी वजह इसका सूती वस्त्र उद्योग में दबदबा होना है। औपनिवेशिक काल के दौरान, यह शहर भारत में कपड़ा मिलों और सूती धागे के उत्पादन का सबसे बड़ा केंद्र बन गया था।

उस दौर में मुंबई ने कॉटन प्रोसेसिंग, स्पिनिंग मिलों और टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग में इतनी तरक्की की कि यह न केवल भारत, बल्कि दुनिया भर में कपड़े के व्यापार का एक प्रमुख हब बन गया।

सफलता के पीछे के मुख्य कारण

मुंबई के इस उद्योग में सबसे आगे निकलने के पीछे कई ठोस कारण थेः

बंदरगाह और रेलवेः शहर के पास बेहतरीन बंदरगाह और रेलवे कनेक्टिविटी थी, जिससे कच्चा माल लाना और तैयार कपड़ा दुनिया भर में भेजना बहुत आसान था।

मजदूरों की उपलब्धताः मिलों में काम करने के लिए पर्याप्त संख्या में कुशल और मेहनती मजदूर मौजूद थे।

व्यापारिक ढांचाः यहां की वित्तीय व्यवस्था और बैंकों ने व्यापार को बढ़ावा दिया।

इन सभी सुविधाओं ने मिलकर मुंबई को एक विशाल टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग हब बना दिया।

भारत की अर्थव्यवस्था में योगदान

मुंबई का कपड़ा उद्योग सिर्फ कपड़े बनाने तक सीमित नहीं था, इसने भारत की अर्थव्यवस्था की नींव भी मजबूत

की। यहां की बड़ी–बड़ी स्पिनिंग मिलों, वीविंग यूनिट्स और गारमेंट फैक्ट्रियों ने लाखों लोगों को रोजगार दिया।

इस उद्योग ने रंगाई, सिलाई और परिवहन जैसे जुड़े हुए कामों को भी बढ़ावा दिया। सच तो यह है कि मुंबई को आज हम जिस वित्तीय राजधानी के रूप में जानते हैं, उसे बनाने में इसी सूती वस्त्र उद्योग का बहुत बड़ा हाथ था।

यवतमाल, जहां खेतों में उगता है सफेद सोना

जब बात कपास की हो रही हो, तो यवतमाल का जिक्र करना बहुत जरूरी है। यह क्षेत्र कपास उगाने में अग्रणी है और यहां से जुड़े कुछ रोचक तथ्य इस प्रकार हैंः

व्हाइट गोल्ड बेल्टः कपास को श्सफेद सोनाश कहा जाता है। विदर्भ का यवतमाल जिला अपनी काली मिट्टी और अनुकूल जलवायु के कारण कपास उत्पादन के लिए मशहूर है।

व्यापार का केंद्रः यह एक बड़ा मंडी हब है, जहां किसान अपनी फसल बेचते हैं। यहां कई जिनिंग और प्रेसिंग यूनिट्स लगी हैं, जो कपास को साफ करके उसकी गांठें तैयार करती हैं और देश भर की मिलों में भेजती हैं।

ग्रामीण जीवन का आधारः यहां की पूरी अर्थव्यवस्था– खेती से लेकर ट्रांसपोर्ट और प्रोसेसिंग तक, कपास पर ही टिकी है।

मुंबई को 'कॉटन सिटी' इसलिए कहा जाता है क्योंकि ऐतिहासिक रूप से इसने भारत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री, निर्यात और औद्योगिक विकास में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। जहां यवतमाल जैसे क्षेत्र 'सफेद सोना' उगाते हैं, वहीं मुंबई ने उसे दुनिया के बाजार तक पहुंचाने का काम किया।

इतिहास के पन्नों में 17 जनवरीः इसरो ने 2020 का पहला मिशन किया सफल, जीसैट–30 उपग्रह का सफल प्रक्षेपण

नई दिल्ली, 16 जनवरी।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने वर्ष 2020 की शुरुआत एक महत्वपूर्ण अंतरिक्ष उपलब्धि के साथ की। इसरो का संचार उपग्रह जीसैट–30 यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के एरियन–5 प्रक्षेपण यान के माध्यम से सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में स्थापित किया गया। यह प्रक्षेपण भारतीय समयानुसार रात 2 बजकर 35 मिनट पर किया गया, जो इसरो का वर्ष 2020 का पहला अंतरिक्ष मिशन था। प्रक्षेपण के करीब 38 मिनट 25 सेकंड बाद जीसैट–30 को निर्धारित कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया।

जीसैट–30 उपग्रह को संचार सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रक्षेपित किया गया है। इसके माध्यम से देश में टेलीविजन प्रसारण, दूरसंचार और अन्य संचार सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

इस सफल मिशन के साथ इसरो ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय सहयोग के जरिए अपनी तकनीकी क्षमता और विश्वसनीयता को साबित किया। जीसैट–30 का प्रक्षेपण भारत की अंतरिक्ष संचार व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1595– फ्रांस के राजा हेनरी चतुर्थ ने स्पेन के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।

1601– मुगल बादशाह अकबर ने असीरगढ़ के अभेद किले में प्रवेश किया।

1601– फ्रांस ने स्पेन के साथ समझौता किया जिसके तहत फ्रांस को ब्रीस, बगेस वोल्रोमेय तथा गेक्स इलाका प्राप्त हुआ।

1757– जर्मनी ने प्रूशिया के ख़िलाफ़ युद्ध की घोषणा की।

1852– ब्रिटेन ने दक्षिण अफ्रीका के ट्रांसवाल की स्वतंत्रता को मान्यता दी।

1863– अमेरिकी राज्य वर्जीनिया में गृह युद्ध।

1895– फ्रांसीसी राष्ट्रपति कैसिमिर पेरियर ने इस्तीफा दिया।

1913– रेमंड प्वाइनकेयर फ्रांस के राष्ट्रपति चुने गये।

1941– सुभाषचन्द्र बोस ब्रिटिश पहरे से चुपचाप ढंग से निकलकर जर्मनी के लिए रवाना हुए।

1945– द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के दिनों में सोवियत सेना का पोलैण्ड की राजधानी वारसा में आगमन।

1946– संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की पहली बैठक हुई।

1948– नीदरलैंड तथा इंडोनेशिया संघर्ष विराम पर सहमत हुए।

1961– जनवादी कोंगो के प्रधानमंत्री पेट्रिस लुमुम्बा की देश के नये सैन्य शासकों ने हत्या कर दी।

1976– यूरोपीय स्पेस एजेंसी ने हरमस रॉकेट लांच किया।

1979– सोवियत संघ ने परमाणु परीक्षण किया।

1980– नासा ने लाटसटकोम–3 लांच किया।

1985– भारतीय क्रिकेटर अजहरुद्दीन ने इंगलैंड के खिलाफ दूसरा टेस्ट शतक लगाया।

1987– टाटा फुटबॉल अकादमी खुला।

1989– कर्नल जेके बजाज उत्तरी ध्रुव पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बने।

1991– खाड़ी युद्ध की शुरुआत हुई थी जब अमरीकी, ब्रिटिश, फ्रेंच, सऊदी और कुवैत की संयुक्त सेना ने इराक पर हमला बोला था।

1995– जापान में 7.2 तीव्रता के भूकंप में 5,372 लोगों की मौत।

2002– अमेरिकी विदेश मंत्री कॉलिन पावेल भारत पहुँचे, आतंकवाद के मुद्दे पर भारत के रुख़ का समर्थन किया।

2007– आस्ट्रेलिया के क्रिकेटर माइकल बेवन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से सन्न्यास लिया। 2008– मेडागास्कर में हिन्द महासागर के ताड़ के पेड़ की नई प्रजाति मिली।

चैनपुर के किसानों को तिलहन खेती पर प्रशिक्षण दिया गया

श्री विजय पुरम, 16 जनवरी
आईसीएआर–कृषि विज्ञान केन्द्र (केवीके), उत्तर व मध्य अण्डमान ने 13 से 15 जनवरी, 2026 तक मायाबंदर के चैनपुर ग्राम पंचायत के सामुदायिक भवन में "तिलहन की खेती हेतु उन्नत कृषि पद्धतियाँ" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य द्वीपीय परिस्थितियों के अनुरूप उन्नत तिलहन उत्पादन तकनीकों की जानकारी देना था। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार उद्घाटन सरपंच श्री अनिल मंडल ने किया और किसानों से तिल की नई किस्में अपनाने का आग्रह किया। तकनीकी सत्रों में श्री राकेश दावर (एसएमएस, एग्रोनॉमी) ने तिल की अनुशंसित पैकेज ऑफ प्रैक्टिस प्रस्तुत की, जबकि अभियंता मनोज कुमार ने आधुनिक औज़ारों एवं उपकरणों के उपयोग पर जानकारी दी। कार्यक्रम डॉ. जय सुंदर, निदेशक (कार्यकारी), आईसीएआर–सीआईएआरआई, श्री विजय पुरम के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। लगभग 30 किसान एवं महिला किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शोल बे में निःशुल्क बहु–विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर रविवार को

श्री विजय पुरम, 16 जनवरी
सेवा भारती द्वारा राष्ट्रीय मेडिकोस संगठन के सहयोग से 18 जनवरी, 2026 को सुबह 9.30 बजे से दक्षिण अण्डमान के शोल बे में निःशुल्क बहु–विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर शोल बे एवं आसपास के गांवों के सामान्य जन के लाभ हेतु संचालित किया जाएगा।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार शिविर में डॉ. रोहिंदर लाल (नेत्र रोग विशेषज्ञ) एवं डॉ. ओंकार सिंह (चिकित्सा विशेषज्ञ) सहित अन्य चिकित्सक सेवाएँ प्रदान करेंगे। सभी जरूरतमंद मरीजों से इस अवसर का लाभ उठाने का अनुरोध किया गया है।

इग्नू में अनुसूचित जाति/जनजाति विद्यार्थियों हेतु शुल्क माफी

श्री विजय पुरम, 16 जनवरी
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) द्वारा कला, विज्ञान, कृषि, चिकित्सा विज्ञान, पत्रकारिता, विधि, शिक्षा, सामाजिक कार्य, व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण, पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। समाज के सभी वर्गों तक पहुँच सुनिश्चित करने हेतु इग्नू अपनी नीति के अनुसार अनुसूचित जाति/जनजाति श्रेणी के विद्यार्थियों को कार्यक्रम शुल्क में छूट प्रदान करता है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार जनवरी, 2026 सत्र में प्रवेश जारी है और तीन पाठ्यक्रमों–बीए (बीएएम), बीएससी, (बीएससीएम) एवं बीकॉम (बीसीओएमएफ)–के लिए शुल्क छूट उपलब्ध है। नवीनतम प्रावधानों एवं पात्रता हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखने या क्षेत्रीय केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी गई है। अधिक जानकारी के लिए www.ignou.ac.in अथवा इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स के सामने, वीआईपी रोड) से, फोन 03192–242888, 03192–230111 पर, ईमेल rcportblair@ignou.ac.in के माध्यम से सम्पर्क किया जा सकता है।

राज्य बैडमिंटन रैंकिंग चैंपियनशिप और राज्य एथलेटिक्स एवं पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 31 जनवरी से

श्री विजय पुरम, 16 जनवरी।
राज्य ओलंपिक संघ और उसकी संबद्ध इकाइयों ने श्री विजय पुरम में 31 जनवरी और 1 फरवरी को राज्य बैडमिंटन रैंकिंग चैंपियनशिप और राज्य एथलेटिक्स एवं पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए नई तारीखें तय की हैं। सभी संबंधित एथलीटों और टीमों को संबंधित संघों द्वारा साझा किए जाने वाले गूगल फॉर्म लिंक को भरकर अपनी भागीदारी की पुष्टि करने की सलाह दी गई है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार विवरण के लिए, बैडमिंटन रैंकिंग चैंपियनशिप के लिए मोबाइल नंबर 9434280768 और एथलेटिक्स एवं पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए मोबाइल नंबर 9933248121 पर संपर्क करें।

2026 गणतंत्र दिवस परेड में देश की प्रमुख नदियों के नाम पर होंगी दर्शक दीर्घाएं

नई दिल्ली, 16 जनवरी।
इस बार 2026 की गणतंत्र दिवस परेड में नई परंपरा देखने को मिलेगी, जिसमें दर्शकों के बैठने की जगहों को थीम के हिसाब से बदला गया है। परेड के रास्ते में बनी बैठने की जगहों को पहली बार नंबरों से नहीं पहचाना जाएगा। इसके बजाय, लोगों के बैठने की जगह का नाम देश की प्रमुख नदियों के नाम पर रखा गया है।

पहले इन जगहों की पहचान सिर्फ नंबरों से होती थी। इन दीर्घाओं का नाम यमुना, ब्यास, ब्रह्मपुत्र, गंगा, तीस्ता, चंबल, सतलुज, सोन, चिनाब, सोन, रावी, वैगई, पेरियार, गंडक, पेन्नार, नर्मदा, घाघरा, गोदावरी, कृष्णा, महानदी, सिंधु, कोसी, झेलम और कावेरी जैसी नदियों के नाम पर रखा गया है।

यह वो नदियां हैं, जो देश के कई क्षेत्रों और राज्यों से होकर गुजरती हैं और स्थानीय आबादी के लिए जीवनरेखा का काम करती हैं। सदियों से इन नदियों ने देश की सभ्यता, अर्थव्यवस्था और संस्कृति को भी आकार दिया है। इस गणतंत्र दिवस पर 'ऑपरेशन सिंदूर' में अहम भूमिका निभाने वाले लड़ाकू विमान भी कर्तव्य पथ पर गरजेंगे। मुख्य आकर्षणों में से एक स्पेशल 'सिंदूर' फॉर्मेशन होगा जो ऑपरेशन की सफलता और संकल्प का प्रतीक होगा। राफेल, सुखोई, जगुआर और मिग–29 लड़ाकू विमानों सहित एक दर्जन से ज्यादा लड़ाकू विमान कर्तव्य पथ के ऊपर फॉर्मेशन में उड़ान भरेंगे। इसके अलावा, लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों और ट्रांसपोर्ट विमानों वाले कई अन्य फॉर्मेशन भी इस भव्य हवाई प्रदर्शन का हिस्सा होंगे।

पहली बार, भारतीय सेना की नई 'भैरव बटालियन' कर्तव्य पथ पर मार्च करेगी और सुप्रीम कमांडर को सलामी देगी। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के बाद सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कारगिल से इन नई लाइट कमांडो बटालियनों के गठन की घोषणा की थी। अधिकारियों के अनुसार, पांच भैरव बटालियन पहले ही बन चुकी हैं। उन्होंने बताया कि सेना छह महीने के भीतर कुल 25 ऐसी बटालियन बनाने की योजना बना रही है। प्रत्येक बटालियन में लगभग 250 बेहतरीन सैनिक होते हैं, जिन्हें तेज, अचानक और उच्च प्रभाव वाले ऑपरेशनों के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

सीसीपीए ने ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्मों पर वॉकी–टॉकी की अनधिकृत बिक्री के खिलाफ कार्रवाई की

नई दिल्ली, 16 जनवरी।
केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण–सीसीपीए ने ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्मों पर वॉकी–टॉकी की अनधिकृत बिक्री के खिलाफ संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की है। इसने नियामकीय उल्लंघनों और भ्रामक विज्ञापनों के लिए कई प्रमुख ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर जुर्माना लगाया है। सीसीपीए ने बताया कि प्राधिकरण ने ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्मों पर बिक्री के लिए उपलब्ध 16 हजार नौ सौ से अधिक गैर–अनुपालन वॉकी–टॉकी की पहचान की है। कई उत्पाद ऑपरेटिंग फ्रीक्वेंसी, लाइसेंसिंग आवश्यकताओं और उपकरण अनुमोदन जैसी अनिवार्य जानकारियों के बिना बेचे गए। कई उपकरणों को गलत तरीके से लाइसेंस–मुक्त या शत प्रतिशत कानूनी बताकर विज्ञापित किया गया था। सीसीपीए ने बताया कि कई वॉकी–टॉकी पुलिस और आपातकालीन सेवाओं द्वारा उपयोग किए जाने वाले प्रतिबंधित यूएचएफ बैंड पर काम करते हैं, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा होता है। प्राधिकरण ने ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्मों पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया और अनुपालन के लिए जवाबदेह ठहराया।

DGCA ने इंडिगो की सभी रद्द उड़ानों के रीफंड प्रक्रिया पूरी होने की पुष्टि की

नई दिल्ली, 16 जनवरी।
नागर विमानन महानिदेशालय ने आज सूचित किया कि पिछले वर्ष 3 से 5 दिसंबर के बीच इंडिगो की सभी रद्द उड़ानों के रीफंड की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और उन्हें जारी कर दिया गया है। इससे पहले, इंडिगो ने इस महीने की 3, 4 और 5 तारीख को एयरलाइन के परिचालन में व्यवधान से प्रभावित ग्राहकों को 10 हजार रुपये के मुआवजे की घोषणा की थी।

डिगलीपुर में "द्वीपों में विदेशी मछली प्रजातियों का अवैध प्रवेश और अनधिकृत आयात" पर जागरूकता कार्यक्रम

श्री विजय पुरम, 16 जनवरी।
उत्तर व मध्य अण्डमान के केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान–कृषि विज्ञान केन्द्र (भाकृअनुप–केवीके) ने 13 जनवरी, 2026 को उत्तर अण्डमान के डिगलीपुर तहसील के मोहनपुर में "विदेशी मछली प्रजातियों का अवैध प्रवेश और अनधिकृत आयात" पर जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। यह कार्यक्रम स्थानीय मछली पालकों, मत्स्य पालन हितधारकों और समुदाय के सदस्यों को स्थानीय जल निकायों में गैर–देशी मछली प्रजातियों को लाने या छोड़ने से जुड़े जोखिमों के बारे में जागरूक करने के लिए तैयार किया गया था।

उद्घाटन सत्र की शोभा मत्स्य उप–केंद्र, डिगलीपुर के सहायक मत्स्य विकास अधिकारी श्री उज्जैन ढाली ने बढ़ाई। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने बताया कि विदेशी मछलियाँ गैर–देशी प्रजातियाँ हैं जो स्थानीय जलीय जीवन के संतुलन को बिगाड़ सकती हैं। उन्होंने समझाया कि जब ये मछलियाँ एक नए पारिस्थितिकी तंत्र में प्रवेश करती हैं, तो वे अक्सर भोजन और आवास के लिए देशी प्रजातियों के साथ प्रतिस्पर्धा करती हैं, खाद्य जाल और पानी की स्थिति को बदल देती हैं, और उचित जाँच और नियंत्रण के बिना जैव विविधता एवं स्थानीय मत्स्य पालन को नुकसान पहुँचा सकती हैं।

श्री सुबम देबरॉय, एसएमएस (एक्वाकल्चर) ने विदेशी मछली प्रजातियों की अवधारणा को रेखांकित किया और बताया कि वे मानवीय गतिविधियों जैसे कि जलीय कृषि (एक्वाकल्चर) के माध्यम से या प्राकृतिक आपदाओं के दौरान खुले जल प्रणालियों से गलती से स्थानीय जल निकायों में कैसे प्रवेश कर सकती हैं। उन्होंने स्थानीय जल निकायों में विदेशी प्रजातियों को पेश करने के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभावों का वर्णन किया, जिसमें नियंत्रित जलीय कृषि में लाभ के साथ–साथ देशी जैव विविधता के लिए पारिस्थितिक जोखिमों पर भी ध्यान दिया गया। अंत में, उन्होंने उचित योजना, जैव सुरक्षा और हितधारकों की भागीदारी के माध्यम से विदेशी प्रजातियों के प्रभावों की निगरानी, नियमन और उन्हें कम करने के लिए प्रबंधन उपायों को रेखांकित किया।

श्री राकेश डावर, एसएमएस (एग्रोनॉमी) ने विदेशी मछली प्रजातियों के आयात के लिए गहन जोखिम मूल्यांकन करने और नियामक दिशा–निर्देशों का पालन करने के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि आयात का मूल्यांकन संभावित पारिस्थितिक और स्वास्थ्य जोखिमों के लिए किया जाना चाहिए और अनुमोदन से पहले आवश्यक प्रमाणन और परमिट द्वारा समर्थित होना चाहिए। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि इन प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन करने से नई बीमारियों की शुरूआत को रोकने और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करने में मदद मिलती है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह कार्यक्रम डॉ. जय सुंदर, निदेशक (कार्यकारी), केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, श्री विजयपुरम के समग्र मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में लगभग 35 किसानों और महिला किसानों ने भाग लिया।

पुलिस स्थापना सप्ताह के अवसर पर बाराटांग में बीच वॉलीबॉल प्रतियोगिता

मायाबंदर, 16 जनवरी
पुलिस स्थापना सप्ताह समारोहों के अंतर्गत 13 जनवरी, 2026 को मध्य अण्डमान के पुलिस स्टेशन बाराटांग द्वारा बालूडेरा तट, बाराटांग में बीच वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें छह टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य शारीरिक फिटनेस, टीम भावना एवं आत्मविश्वास को बढ़ावा देना तथा पुलिस–समुदाय संबंधों को सुदृढ़ करना था। कई प्रतिस्पर्धात्मक मुकाबलों के बाद कृष्णा नगर ब्रदर्स विजेता और ओरलकच्छा बॉयज़–ए उप विजेता रहे। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के दौरान नई न्याय संहिताओं के प्रावधानों पर सरल एवं स्पष्ट रूप से जन–जागरूकता भी पैदा की गई। सक्रिय जनभागीदारी के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

रंगत में "एसडीपीओ कप 2026" ओपन वॉलीबॉल एवं बैडमिंटन चैंपिनयनशिप

मायाबंदर, 16 जनवरी
पुलिस स्थापना सप्ताह के सिलसिले में मध्य अण्डमान के पुलिस स्टेशन रंगत द्वारा रंगत में "एसडीपीओ कप 2026" खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अंतर्गत ओपन वॉलीबॉल चैंपिनयनशिप एवं ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य पुलिस–जनसंपर्क को सुदृढ़ करना तथा खेल भावना को बढ़ावा देना था।

ओपन वॉलीबॉल चैंपिनयनशिप 12 जनवरी, 2026 से 14 जनवरी, 2026 तक रमन बगीचा, नीम्बूतला में आयोजित की गई, जिसमें 10 पुरुष टीमों एवं 3 महिला टीमों ने भाग लिया। कड़े मुकाबलों के बाद टीम बेटापुर ने पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में चैंपियन का खिताब जीता। फाइनल एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री विकास कुमार, दानिप्स, सहायक आयुक्त, रंगत उपस्थित रहे, जिन्होंने खेल भावना, अनुशासन तथा पुलिस–जन सहभागिता को बढ़ावा देने की इस पहल की सराहना की।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार एसडीपीओ कप ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट 13 जनवरी, 2026 से 15 जनवरी, 2026 तक आयोजित किया गया, जिसमें पुरुष, महिला एवं जूनियर वर्गों सहित विभिन्न श्रेणियों में उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। 15 जनवरी, 2026 को फाइनल मुकाबले श्री चंदन जी. एस., एसडीपीओ, रंगत की मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति में आयोजित हुए। इस अवसर पर श्रीमती आर. बर्खा, एसीएफ, रंगत सम्मानित अतिथि तथा श्री रंजीत, सहायक निदेशक खेल, विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।